

१. हे मातृभूमि !

— रामप्रसाद 'बिस्मिल'

हे मातृभूमि ! तेरे चरणों में शीश नवाऊँ ।
मैं भक्ति भेंट अपनी, तेरी शरण में लाऊँ ॥



माथे पे तू हो चंदन, छाती पे तू हो माला;
जिह्वा पे गीत तू हो मेरा, तेरा ही नाम गाऊँ ॥

जिससे सपूत उपजें, श्री राम-कृष्ण जैसे;
उस धूल को मैं तेरी निज शीश पे चढ़ाऊँ ॥

माई ! समुद्र जिसकी पद रज को नित्य धोकर;
करता प्रणाम तुझको, मैं वे चरण दबाऊँ ॥

सेवा में तेरी माता ! मैं भेदभाव तजकर;
वह पुण्य नाम तेरा, प्रतिदिन सुनूँ-सुनाऊँ ॥

तेरे ही काम आऊँ, तेरा ही मंत्र गाऊँ ।
मन और देह तुम पर बलिदान मैं जाऊँ ॥

परिचय

जन्म : १८९७, शाहजहाँपुर (उ.प्र.)

मृत्यु : १९२७, गोरखपुर (उ.प्र.)

परिचय : रामप्रसाद 'बिस्मिल' भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं बल्कि उच्च कोटि के कवि, अनुवादक, बहुभाषाविद व साहित्यकार भी थे। आपने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। 'सरफरोशी की तमन्ना...' आपकी प्रसिद्ध रचना है। 'बिस्मिल' उपनाम के अतिरिक्त आप 'राम' और 'अज्ञात' के नाम से भी लेख व कविताएँ लिखते थे।

प्रमुख कृतियाँ : 'मन की लहर', 'आत्मकथा' आदि।

पद्य संबंधी

प्रस्तुत कविता में क्रांतिकारी एवं स्वतंत्रता सेनानी कवि रामप्रसाद 'बिस्मिल' जी ने मातृभूमि के प्रति अपने प्रेम एवं भक्तिभाव को व्यक्त किया है। यहाँ आपने मातृभूमि की सेवा करने और देशहित में निष्ठावर हो जाने की लालसा व्यक्त की है।

कल्पना पल्लवन

'मातृभूमि की सेवा में जीवन अर्पण करना प्रत्येक मनुष्य का कर्तव्य है,'
इस कथन पर अपने विचार लिखो।

शब्द वाटिका

नवाना = झुकाना

शीश = सिर

जिह्वा = जीभ

रज = धूल

बलिदान = प्राणाहुति, निछावर

देह = शरीर

* सूचना के अनुसार कृतियाँ करो :-

(१) कृति पूर्ण करो :

मातृभूमि की विशेषताएँ

१. _____
२. _____
३. _____
४. _____

(२) कृति पूर्ण करो :

कवि मातृभूमि के प्रति
अर्पित करना चाहता है

(४) कविता की पंक्तियाँ पूर्ण करो :

सेवा में तेरी -----;
----- ॥
----- |
----- बलिदान में जाऊँ ॥

(३) एक शब्द में उत्तर लिखो :

१. कवि की जिह्वा पर इसके गीत हों -
२. मातृभूमि के चरण धोने वाला -
३. मातृभूमि के सपूत -
४. प्रतिदिन सुनने/सुनाने योग्य नाम -
५. मातृभूमि के चरणों में इसे नवाना है -

भाषा बिंदु

निम्न विरामचिह्नों के नाम लिखकर उनका वाक्य में प्रयोग करो :

| ; ? - ? ! ' ' " " —

उपयोजित लेखन

शब्दों के आधार पर कहानी लिखो :

ग्रंथालय, स्वप्न, पहेली, काँच

मैंने समझा



स्वयं अध्ययन

‘विकास की ओर बढ़ता हुआ भारत देश’ से संबंधित महत्वपूर्ण कार्यों की सूची बनाओ ।



INVRIE